नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाए ।
मेरी मंगल कामना है कि
नए वर्ष आप सभी के जीवन मे
सुख समृद्धि और शांति लाये

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 158 बुधवार 1 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

नव वर्ष की मंगलकामना

नया वर्ष हमें सृजन की ओर ले चले। भारतीय बस्ती के पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभेच्छुओं को हार्दिक मंगलकामना–

– सम्पादक

राजस्व वसूली में तेजी लाने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यो/आईजीआरएस संदर्भो की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि राजस्व वसूली कार्यो में शिथिलता बरतने वाले अधिकारी शीघ्रातिशीघ्र लक्ष्य के सापेक्ष वसूली करायें अन्यथा की स्थिति में उनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जायेगी। राजस्व के मामलों में आरटीआई से संबंधित नियम संख्या 05 के अनुसार विभागीय अधिकारी जनसूचना का निस्तारण करें। थर्ड पार्टी से संबंधित जनसूचना को बिना अनुमति लिए आवेदक को ना दिया जाय। इसके साथ ही लम्बी सूचनाओं के मामलों में सूचनाओं की छायाप्रति हेतु देने से पूर्व शुल्क भी जमा करायें।

दूकानों की साप्ताहिक बंदी निर्धारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला मजिस्ट्रेट रवीश गुप्ता ने बताया है कि उ0प्र0 दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 के अनुसार जनपद के विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में उनके साप्ताहिक बन्दी का दिन निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार नगरीय क्षेत्र पुरानी बस्ती सोमवार, नगरीय क्षेत्र गॉधीनगर बुधवार, गल्ला मण्डी, गॉधीनगर बृहस्पतिवार, नगरीय क्षेत्र, गॉधी नगर में स्थित समस्त स्टेशनरी कचेहरी परिसर में स्थित समस्त फोटो स्टेट की दुकाने, नगरीय क्षेत्र में स्थित समस्त पेट्रोलियम एवं फर्टिलाइजर डीलर्स तथा नगरीय क्षेत्र में स्थित समस्त प्रतिष्ठानों के कार्यालय रविवार, नगरीय क्षेत्र बस्ती की समस्त आटो स्पेयर पार्टस, समस्त आटो, ट्रैक्टर, टू व्हीलर, फोर व्हीलर तथा सेनेटरी, पेन्टस, मार्बल, टाइल्स एवं बिल्डिंग मैटेरियल की दुकाने शनिवार, समस्त नाइयों एवं केश प्रसाधनों की दुकाने शनिवार, नगरीय क्षेत्र हर्रैया, बभनान, महराजगंज एवं मुण्डेरवा में स्थित समस्त दुकानें एवं वाणिज्य अधिष्ठान में रविवार तथा नगरीय क्षेत्र कप्तानगंज एवं रूधौली में स्थित समस्त दुकानें एवं वाणिज्य अधिष्ठान में शनिवार को साप्ताहिक बन्दी रहेंगी।

चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आज बालिकाएं फैशन में चूर हो रही हैं वहां शारीरिक, बौद्धिक एवं चरित्र निर्माण के लिए बेटियां पुरुषार्थ करती दिखाई दें तो निश्चय ही देश के लिए गौरव का विषय है निश्चित रूप से ये बालिकाएं देश के लिए गौरव और स्वाभिमान साबित होंगी। ये बातें आर्य समाज नई बाजार बस्ती द्वारा स्वामी दयानंद विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती में आयोजित चारित्र निर्माण शिविर के समापन के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि महेश शुक्ल उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग उत्तर प्रदेश ने कही। इससे पूर्व उपस्थित अतिथियों ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया आयोजक ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने अंग वस्त्र और साहित्य भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर राजमाता अशिमा सिंह ने कहा कि चरित्र बल सबसे बड़ा बल होता है पर इसके साथ आत्मरक्षा की शिक्षा उसे पूर्ण भारतीय नारी का स्वरूप प्रदान करता है। वैदिक शिक्षा द्वारा बेटियों का प्रशिक्षण सराहनीय है।

नव वर्ष के जश्न में डूबी दुनियां

नई दिल्ली (आभा)। भारत समेत समूची दुनियां में नव वर्ष का जश्न मनया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने नए साल का स्वागत धूमधाम से किया। सिडनी, मेलबर्न और ब्रिसबेन जैसे प्रमुख शहरों में शानदार आतिशबाजी और समारोहों ने शहरों को जगमग कर दिया. सिडनी के हार्बर ब्रिज पर खास आतिशबाजी का आयोजन हुआ, जिसे दुनियाभर में देखा गया. अब जापान और दक्षिण कोरिया में नए साल के इंतजार की घड़ी शुरू हो गई है. दोनों देशों में 8. 30 बजे नया साल का स्वागत होगा, जहां लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ जश्न मनाने के लिए तैयार हैं।

जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में नए साल की पूर्व संध्या पर लाल चौक पर लोगों की भारी भीड़ जुटी. लोग रंग–बिरंगे कपड़े पहने और उत्साह के साथ एक–दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं दे रहे हैं. लोग यहां पर नए साल का स्वागत करने के लिए एकत्रित हुए हैं. हिमाचल प्रदेश के शिमला में 2024 की आखिरी सूर्यास्त का नजारा ड्रोन कैमरे में कैद किया गया।

महाकुंभ में मुख्य स्नान पर्व पर नहीं लागू होगा कोई प्रोटोकॉल

महाकुंभ नगर (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि महाकुंभ मेला में मुख्य स्नान पर्व पर कोई प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा और इस अवसर पर पूज्य संतों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जाएगी। प्रयागराज में महाकुंभ के दृष्टिगत समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेला लगभग आकार ले चुका है और 7,000 से अधिक संस्थाएं यहां आ चुकी हैं।

डेढ़ लाख से अधिक टेंट की व्यवस्था मेला प्राधिकरण की ओर से की गई है। देश–दुनिया से लोग प्रयागराज महाकुंभ में आने के लिए उत्सुक हैं। 144 वर्ष के बाद महाकुंभ का यह मुहूर्त आ रहा है और इसके लिए हर प्रकार की व्यवस्थाएं भाजपा सरकार द्वारा यहां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने प्रयागवासियों से आतिथ्य सेवा के साथ ही महाकुंभ के दौरान स्वच्छता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता और आतिथ्य सेवा का जो उदाहरण उन्होंने 2019 के कुंभ में प्रस्तुत किया, उससे अच्छा अवसर इस बार उनके सामने आ रहा है।योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में प्रत्येक तीर्थयात्री और पर्यटक की सुरक्षा और सुविधा को शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए कहा, "महाकुंभ में कोई भारतीय हो या विदेशी, प्रवासी भारतीय हो या प्रयागराजवासी, बिना भेदभाव सबकी सुरक्षा–सबकी सुविधा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ के दौरान आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, अग्निशमन, घाट सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा तंत्र को और पुख्ता किया जाना आवश्यक है।

भारत मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापनः गृह मंत्री को बर्खास्त किये जाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर भारत मुक्ति मोर्चा ने जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में शास्त्री चौक से रैली निकालकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमितशाह को बर्खास्त किये जाने की मांग किया। भारत बंद आवाहन की कड़ी में आयोजित रैली विभिन्न मार्गों से होते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची जहां प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 3 सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया।

भेजे ज्ञापन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमितशाह को बर्खास्त किये जाने, मत पत्रों से चुनाव कराये जाने और जाति आधारित जनगणना कराये जाने की मांग शामिल हैं। रैली और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, राम अवतार पासवान, हृदय गौतम, हरिनाथ, चन्द्रिका प्रसाद, चन्द्र प्रकाश गौतम, सुग्रीव चौधरी, राम सुमेर यादव, बुद्ध प्रिय पासवान, अनीता देवी, विनय कुमार, राजेश, सरिता भारती, कृष्णावती, करिश्मा, प्राची, सीताराम भारती, बुद्धेश राना, कुंवर बीर सिंह, मेहीलाल, पवन कुमार, दिनेश कुमार के साथ ही भारत मुक्ति मोर्चा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

एस.बी.आई. ग्राहक सेवा केन्द दारीडीहा का संचालक फरारः 15 लाख के धोखाधड़ी का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केन्द्र के संचालक द्वारा धोखाधड़ी करके अनेक गरीब अनपढ़ लोगों के खातों से लगभग 15 लाख रूपये निकाल लिये जाने का मामला सामने आया है। मंगलवार को कांग्रेस नेता नोमान अहमद के नेतृत्व में पीड़ितों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर मामले की जांच कराने, ग्राहक सेवा केन्द्र के संचालक राकेश कुमार पुत्र राम नौकर के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर उसे गिरफ्तार करने, धोखाधड़ी के शिकार लोगों को उनका धन वापस कराये जाने की मांग किया।

ज्ञापन देने के बाद कांग्रेस नेता नोमान अहमद ने बताया कि कलवारी थाना क्षेत्र के डारीडीहा गांव में एस.बी.आई. का ग्राहक सेवा केन्द्र चलाने वाले कलवारी थाना क्षेत्र के सेमरा पुरे प्रसाद निवासी राकेश कुमार पुत्र राम नौकर अगूंठा लगवाने के बाद सर्वर न चलने की बात कहकर कम पैसे देकर खाताधारकों के खाते से अधिक पैसा निकाल लेता था। मामला सामने आने के बाद राकेश कुमार सेवा केन्द्र बंद कर भाग गया हैं। इस कारण से अनेक लोगों की गाढी कमाई का धन डूब गया है। कांग्रेस विधि विभाग के प्रदेश महासचिव नवीन श्रीवास्तव ने मांग किया कि दोषी के विरूद्ध तत्काल प्रभावी कार्यवाही की जाय।

मंगलवार को कलवारी थाना क्षेत्र के डारीडीहा निवासी श्यामलाल, राम सुभाष, गीता, परशुराम, सुकुरता, कान्ती, घुरहू, निर्मोही, झिनका, सरिता, दुलारी, राम सिंह, विकम आदि ने डीएम कार्यालय पर पहुंचकर ज्ञापन दिया। मांग किया कि भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केन्द्र के संचालक राकेश कुमार के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर उसे गिरफ्तार करने, के साथ ही धोखाधड़ी के शिकार लोगों को उनका धन वापस कराया जाय।

–डीएम को ज्ञापन देकर संचालक के गिरफ्तारी, रूपया वापस दिलाने की मांग –दोषी संचालक के विरूद्ध हो प्रभावी कार्यवाही– नोमान अहमद

स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक तक पहुंचा कथित कृष्णा डेन्टल क्लीनिक के जांच का मामला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के नरायनपुर गांव में चल रहे कथित कृष्णा डेन्टल क्लीनिक के जांच का मामला उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक तक पहुंच गया है। भाजपा नेत्री, जिला पंचायत सदस्य सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के नरायनपुर निवासिनी उर्मिला चौधरी के पति रजनीश चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक से मिलकर नरायनपुर गांव में चल रहे कथित कृष्णा डेन्टल क्लीनिक की जांच कराकर दोषी संचालकों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया । रजनीश चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक से बताया कि क्लीनिक डा. साजिद हुसैन के नाम से पंजीकृत है। उन्हें कभी देखा नहीं गया। सीएमओ से की गई शिकायत के बाद डिप्टी सी.एम.ओ. डा. ए.के. चौधरी ने क्लीनिक की जांच किया तो पता चला कि अप्रशिक्षित व्यक्ति सूरज पुत्र नित्यराम रोगी का उपचार करते हुये मिला। डा. ए.के. चौधरी ने दो दिन के भीतर क्लीनिक के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था किन्तु विभागीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मांग किया कि क्लीनिक को सील कर सूरज पुत्र नित्यराम के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराया जाय।

खेती करने से रोकाः अधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के हर्रैया निवासी प्रेमचन्द्र चौधरी ने पुलिस अधीक्षक के साथ ही उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में प्रेमचन्द्र ने कहा है कि गत 27 दिसम्बर को जब वे अपनी पत्नी खेतों की जुताई बुवाई कराने गांव पहुंचा तो गांव के ही फूलचन्द पुत्र पारस, चन्दनरायन पुत्र राम प्रताप, राहुल, राकेश पुत्र फूलचन्द, अंशिका पुत्री फूलचन्द, गीता पत्नी ईश्वरचन्द आदि ने लाठी डडा लेकर ललकारा और जान से मारने की धमकी दिया। प्रेमचन्द्र चौधरी ने घर का दरवाजा बंद कर किसी तरह अपनी पत्नी की जान बचाया। 112 पर फोन करने के बाद जब पुलिस पहुंची तो वे लोग फरार हो गये।

पत्र में प्रेमचन्द्र ने कहा है कि दबंग उनके नल का मरम्मत नहीं कराने दे रहे हैं और न ही खेतों की जुताई बुवाई करने दे रहे हैं। परिवार के जान माल का खतरा बना हुआ है। मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही उनके नल की मरम्मत और जुताई बुवाई करवाने के साथ ही परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

नव वर्ष पर जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामना

राम प्रसाद चौधरी
सांसद बस्ती लोकसभा 61

नव वर्ष पर हार्दिक अभिनन्दन

दिलीप कुमार पाण्डेय
पत्रकार, तहसील प्रभारी
दैनिक भारतीय बस्ती
भानपुर जनपद– बस्ती
मो0 9919234226
9335754279

सियाराम गुप्ता
ग्राम– आमा पोस्ट– सोनहा
जनपद बस्ती
मो0 8874541936

नव वर्ष की मंगलकामना
बाला जी ट्रेडर्स
सोनहा बाजार–बस्ती, हेड आफिस पाण्डेय बाजार
खाद, बीज, कीटनाशक दवाओं के विक्रेता
प्रो. शशांक अग्रवाल
मो0 9919803021

आलोक अम्बेडकर बौद्ध बिहार

ग्राम नरखोरिया पोस्ट– असनहरा जनपद बस्ती

प्रबन्धक
फूलचन्द्र
मो0 9919234226

नव वर्ष पर हार्दिक मंगलकामना

श्रीमती लक्ष्मी देवी
पत्नी शिवपूजन
ग्राम प्रधान– परसा लंगड़ा
विकास खण्ड– सल्टौआ
गोपालपुर जनपद– बस्ती
मो0 9839260632

नव वर्ष पर हार्दिक मंगलकामना

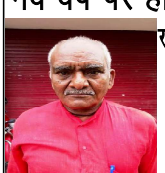

रामनेवास यादव उर्फ रामलौट
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत– तेनुआ
विकास खण्ड– सल्टौआ
गोपालपुर जनपद– बस्ती
मो0 9918424502

नव वर्ष पर हार्दिक मंगलकामना

प्रेमनाथ निषाद
ग्राम आमा
पोस्ट– सोनहा
विकास खण्ड– सल्टौआ
गोपालपुर जनपद– बस्ती
मो0 8430688007

कसौधन टेडर्स
सोनहा बाजार बस्ती

खाद, बीज, कीटनाशक दवाओं के विक्रेता
प्रो. प्रेमचन्द्र गुप्त
मो0 9935263071, 9792096494

नव वर्ष पर नगर पंचायत भानपुरवासियों को हार्दिक शुभकामना

चन्द्रभान यादव
भावी सभासद प्रत्याशी
नगर पंचायत भानपुर वार्ड न. 9 कृष्णानगर
ग्राम– आमा पोस्ट– सोनहा
जनपद बस्ती
मो0 9420233416

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामना।
पटेल हास्पिटल
भुजैनी, निकट काँटे पुलिस चौकी- संतकबीर नगर

उपलब्ध सुविधाएँ -
- अनुभवी सर्जन व फिजिशियन के देख-रेख में सफल इलाज।
- अत्याधुनिक डायलिसिस मशीन की सुविधा।
- अत्याधुनिक मशीनों से लैस ऑपरेशन रूम।
- ए.सी. प्राईवेट वार्ड।
- ए.सी. जनरल वार्ड।
- अत्याधुनिक आई.सी.यू. वार्ड।
- सभी प्रकार की जाँच के लिए अत्याधुनिक लैब।
- डिजिटल एक्स-रे मशीन।
- इमरजेन्सी व एम्बुलेंस सेवा 24 घण्टे उपलब्ध।
- दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन की सुविधा।

प्रबन्धक- श्री श्याम लाल चौधरी

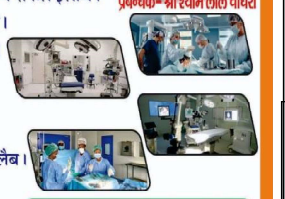

इलाज व जानकारी के लिए सम्पर्क करें
9151346900

मो0-9151346901, 915134902, 9151346903, 8853977789

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 जनवरी 2025 बुधवार

सम्पादकीय

नव वर्ष से जुड़ी आशा

हर नव वर्ष नयी संभावना और उद्देश्य के साथ जीवन में प्रवेश करता है। नया साल केवल एक तारीख बदलने का दिन नहीं है, बल्कि यह खुद को बेहतर बनाने, पुराने साल की यादों और उपलब्धियों का जश्न मनाने का मौका भी है। नया साल हमें नई ऊर्जा और सकारात्मकता से भरने का खास दिन होता है। नए साल की शुरुआत हमें यह सिखाती है, कि हर दिन कैसे अपने आनेवाले हर दिन को बेहतर बना सकते है। वर्ष 2025 के आगमन पर हर कोई नए साल के जश्न में डूबा है। लोग अलग अलग तरह से नया साल मनाते हैं। कुछ लोग पार्टी करते हैं तो कुछ लोग धर्मार्थ कार्य करते हैं। कुछ लोग पूजा पाठ से नए साल की शुरुआत करते हैं। नया वर्ष आशा और उम्मीद की किरण लेकर आता है। छात्रों और युवाओं के लिए नया साल काफी मायने रखता है क्योंकि हर आने वाले साल से उन्हें कुछ बेहतरी की उम्मीद होती है।

नया साल प्रारंभ हो चुका है । आज जन मानस के जीवन में मोबाईल इस कदर समा गया है कि अब साल बदलने पर कागज के कैलेंडर बदलते कहां हैं ? अब साल , दिन ,महीने , तारीखें, समय सब कुछ टच स्क्रीन में कैद हाथों में सुलभ है । वैसे भी अंतर ही क्या होता है , बीतते साल की आखिरी तारीख और नए साल के पहले दिन में , आम लोगों की जिंदगी तो वैसी ही बनी रहती है । हां दुनियां भर में नए साल के स्वागत में जश्न , रोशनी , आतिशबाजी जरूर होती है । लोग नए संकल्प लेते तो हैं , पर निभा कहां पाते हैं? कारपोरेट जगत में गिफ्ट का आदान प्रदान होता है,डायरी ली दी जाती है,पर सच यह है कि अब भला डायरी लिखता कौन है ? सब कुछ तो मोबाइल के नोटपैड में सिमट गया है। देश का संविधान भी सुलभ है , गूगल से फरमाइश तो करें । समझना है कि संविधान में केवल अधिकार ही नहीं कर्तव्य भी तो दर्ज हैं। लोकतंत्र के नाम पर आज स्वतंत्रता को स्वच्छंद स्वरूप में बदल दिया गया है । यह शाश्वत सत्य है कि भीड़ का चेहरा नहीं होता पर चेहरे ही लोकतंत्र की शक्तिशाली भीड़ बनते हैं । सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर सेल्फी के चेहरों वाली संयमित एक दिशा में चलने वाली भीड़ बहुत ताकतवर होती है । इस ताकतवर भीड़ को नियंत्रित करना और इसका रचनात्मक हिस्सा बनना आज हम सबकी जिम्मेदारी है।

हमारे लिए हर दिन नया है, हर साल नया है और हर नया साल एक नई उम्मीद, नया संकल्प और नये अवसर लेकर आता है। यह वह समय होता है जब हम अपने अतीत को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हैं। यह न केवल समय की एक और परिभाषा है, बल्कि हमारे भीतर छुपे उन अनगिनत संभावनाओं और सपनों की शुरुआत भी है, जिन्हें हम अब साकार करने का दृढ़ संकल्प लेते हैं। नए साल की दस्तक के साथ, हम हर दिन को एक नए अवसर के रूप में अपनाते हैं, जो हमें न केवल अपनी खुशियों को संजोने बल्कि अपनी जिंदगी को और बेहतर बनाने की प्रेरणा भी देता है।

आधुनिक समाज में, नए साल का दिन वह दिन होता है जब लोग अपने पिछले सालों, उपलब्धियों और असफलताओं को याद करते हैं। लोग अक्सर नए साल का इंतजार भी करते हैं, व्यक्तिगत विकास के लिए काम करने का संकल्प लेते हैं। नए साल को एक नई शुरुआत के रूप में देखा जाता है। संकल्प लेने का उद्देश्य क्या है? जब कोई संकल्प पूरा हो जाता है, तो उद्देश्य की भावना पैदा होती है। किसी लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम होने से खुशी मिलेगी और इस प्रकार नए साल की शुरुआत में लक्ष्य निर्धारित करने का विचार भविष्य में सफलता और खुशी के लिए आवश्यक संरचना और आशा की ओर ले जाता है। ऐसा माना जाता है कि नया साल दुनिया के बारे में आपकी धारणा बदलने का समय होता है। हालाँकि, एक दिन अचानक से जीवन के बारे में आपका नजरिया नहीं बदल सकता। नया साल, किसी भी अन्य दिन की तरह, बस एक दिन है। नव वर्ष जीवन में खुशियां लाये। ढेरों मंगलकामना।

नये वर्ष में मनुष्य और तकनीक में उभरती चिंता

—प्रियंका सौरभ—

वर्ष 2025 के बारे में चाहे किसी ने आशावादी या निराशावादी विचार व्यक्त किए हों, मगर ये सच है कि इन चिंतकों ने मनुष्यों और डिजिटल तकनीकों के निकट भविष्य के लिए अपनी चिंताओं को भी व्यक्त किया है। उनकी ज्यादातर चिंताएँ प्रौद्योगिकी कंपनियों की बढ़ती शक्ति पर केंद्रित हैं जो लोगों के जीवन में सूचना प्रवाह को नियंत्रित करती हैं और व्यक्तियों की गोपनीयता और स्वायत्तता से समझौता करने की उनकी क्षमता पर केंद्रित हैं। यह बहुत कम संभावना है कि बाजार पूंजीवाद और मुनाफा कमाने को प्राथमिक प्राथमिकता बनाने की प्रतिस्पर्धी अनिवार्यता को बदलने के लिए जल्द ही कोई सफल आंदोलन होगा। इस समस्या के समाधान में दोधारी गुण हैं क्योंकि अवसर और चुनौती समान रूप से मौजूद हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ष 2025 कहीं ज्यादा तकनीक—चालित होगा और ज़्यादा बड़ी चुनौतियाँ पेश करेगा। लोगों के पास काफी कम दोस्त होंगे, क्योंकि नियमित रूप से व्यक्तिगत संपर्क की कमी के कारण रिश्ते कम होते जा रहे हैं। मुझे लगता है कि युगल और एकल परिवार पर कुछ हद तक नव—परंपरावादी गहन ध्यान केंद्रित होगा जो कि काफी हद तक दमघोंटू होगा। जीवन अधिक तकनीक—संचालित होगा, जिससे और भी बड़ी चुनौतियाँ सामने आएंगी। लोग अच्छे और बुरे के लिए तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल उपकरणों पर अधिक निर्भरता विकसित कर लेंगे। व्यापक सामाजिक परिवर्तन से ज़्यादातर लोगों के लिए जीवन बदतर हो जाएगा क्योंकि अधिक असमानता, बढ़ता सत्तावाद और बड़े पैमाने पर गलत सूचनाएँ समाज परहावी हो रही हैं। सामाजिक और नस्लीय असमानता बढ़ने, सुरक्षा और गोपनीयता के बिगड़ने और गलत सूचना के और अधिक फैलने की आशंका है।

सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए झूठ का प्रसार सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को नुकसान पहुँचाएगा। कुछ संभावित उपाय नागरिक स्वतंत्रता में बाधा डाल सकते हैं। ऑनलाइन झूठ, गलत सूचना और गलत सूचना का अजेय प्रवाह विभाजनकारी, खतरनाक और विनाशकारी है। स्वास्थ्य—निगरानी, कार्य—निगरानी और सुरक्षा समाधान जो लागू किए जा सकते हैं, वे बड़े पैमाने पर निगरानी का विस्तार करेंगे, मानवाधिकारों को खघ्तरे में डालेंगे और दुनिया के ज़्यादा से ज़्यादा क्षेत्रों को ज़्यादा सत्तावादी बना देंगे। टेलीवर्क के कारण अधिक व्यावसायिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं के तेज स्वचालन से मनुष्यों के लिए उपलब्ध नौकरियों की संख्या कम हो रही है। इसके अतिरिक्त इतने ज़्यादा अलगाव के समय में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ा हैं। इन सभी स्पष्ट मुद्दों से निपटने के लिए आवश्यक सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कौन कार्यवाही करेगा।

मुझे लगता है कि बिगड़ती आर्थिक स्थिति, नागरिक अशांति, अनिश्चित दीर्घकालिक महामारी परिणामों के संगम से प्रौद्योगिकी से सम्बंधित नुकघ्सान और दुरुपयोग की संभावना अधिक है, विशेष रूप से तब जब उत्पाद, जोखिम मूल्यांकन आदि पर कम कठोरता के साथ बाजार में आते हैं। तकनीक हमारे जीवन में और भी व्यापक हो जाएगी, हर पहलू में। यह काम, ज्यादा विकल्प और बेहतर सेवा को सक्षम करेगा, लेकिन इसकी बहुत अधिक कघीमत चुकानी पड़ेगी। निगरानी में वृद्धि, गोपनीयता की हानि, अधिक जोखिम—व्यक्तियों और राजनीतिक प्रणालियों दोनों के लिए घातक होगा। बिगड़ती आर्थिक स्थिति, नागरिक अशांति, अनिश्चित दीर्घकालिक महामारी के परिणामों का संगम मुझे प्रौद्योगिकी से सम्बंधित नुकघ्सान और दुरुपयोग की ओर ले जाने की अधिक संभावना के रूप में लगता है, खासकर जब उत्पाद खतरे के मॉडलिंग, जोखिम मूल्यांकन आदि पर कम कठोरता के साथ बाजार में आते हैं। बहुत कम या बिना किसी पारदर्शिता, जवाबदेही या निगरानी के साथ काम करने वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों की विशाल और काफी हद तक अनियमित शक्ति मुझे चिंतित करती है। इन कंपनियों का हर जगह सत्तावादी और लोकतंत्र विरोधी ताकतों के साथ गठबंधन मुझे चिंतित करता है। 2025 आर्थिक, स्वास्थ्य और कल्याण कारकों के आधार पर औसत व्यक्ति के लिए बदतर होगा जिसके परिणामस्वरूप बढ़े हुए कर्ज, कम बचत, कम वेतन वृद्धि जैसे प्रभाव होंगे।

बच्चों वाली महिलाओं को कार्यबल से बाहर निकलने या अंशकालिक काम करने के लिए काफी दबाव का सामना करना पड़ा है, ताकि बच्चों की देखभाल के अंतर को पूरा किया जा सके, जो कि स्कूल बंद होने और उनके पुरुष साथी द्वारा अपने बच्चों की 50 ६ 50 जिम्मेदारी नहीं लेने के कारण हुआ है। इसका परिणाम आजीवन वित्तीय प्रभाव और निराशा की भावना होगा। कोरोनावायरस संक्रमण के बाद चल रही विकलांगता की एक महत्त्वपूर्ण संभावना है, यह देखते हुए कि मध्यम और दीर्घकालिक फेफड़ों की क्षति और क्रोनिक पोस्ट—वायरल थकान के बारे में क्या सामने आ रहा है। लोगों के पास काफी कम दोस्त होंगे, क्योंकि नियमित रूप से व्यक्तिगत संपर्क की कमी के कारण रिश्ते कम होते जा रहे हैं।

मुझे लगता है कि युगल और एकल परिवार पर कुछ हद तक नव—परंपरावादी गहन ध्यान केंद्रित होगा जो कि काफी हद तक दमघोंटू होगा। प्रौद्योगिकी कंपनियों के एकाधिकार और बढ़ेंगे, बहुत सारी गतिविधियाँ चार या पाँच मेगाकॉरपोरेशनों में केंद्रित हैं। व्यापक खुदरा क्षेत्र पर अमेजन के नकारात्मक प्रभाव को देखें। इन कंपनियों के प्लेटफॉर्म पर बहुत अधिक निर्भरता केंद्रित है, हर चीज के लिए स्क्रीन—केंद्रितता होगी चाहे वह सामाजिक जीवन, मनोरंजन, काम, कला कुछ भी हो। समाज में इस बात पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है कि तकनीक क्या अच्छा कर सकती है मतलब सुविधा कितनी मिलेगी और यह नहीं कि यह क्या नहीं कर सकती जैसे बातचीत या अनुभव की गुणवत्ता का स्तर क्या रहेगा। केवल हम ही खुद को बचा सकते हैं। श्नया समाजश एक ऐसा समाज है जो इतिहास में पहले से कहीं अधिक विभाजित है। हम पहले से ही हर सांस, हर कदम, हर दिल की धड़कन को रिकॉर्ड कर रहे हैं। जो काफी खतरनाक भी होगा।

प्रतिरोध के बीच पनपता जीवंत लोकतंत्र

—प्रमोद जोशी—

राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से 2024 का साल भारत के लिए घटनाओं और उपलब्धियों से भरा रहा। आर्थिक मोर्चे पर भारत का उदय नए पावर हाउस के रूप में हो रहा है, पर साल की सबसे बड़ी गतिविधि राजनीति से जुड़ी थी। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को पूरा हुआ, पर जो परिणाम आए, उनसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को धक्का लगा। हालांकि, नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला, पर अब भाजपा के पास पूर्ण बहुमत न होने से वह अपने सहयोगी दलों का सहारा ले रही है।

बीजेपी को सबसे बड़ा धक्का उत्तर प्रदेश में लगा है, जहां के कुल 80 क्षेत्रों में से उसे केवल 33 में विजय मिली। समाजवादी पार्टी ने राज्य में 37 सीटों पर जीत हासिल करके भाजपा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। यह अप्रत्याशित था। राहुल गांधी के लिए भी व्यक्तिगत रूप से इस बार का चुनाव लाभकारी रहा। वर्ष 2019 में उन्हें अमेठी से हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार उन्होंने अमेठी से वापसी की। नेहरू—गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस साल सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। लोकसभा चुनाव में अमेठी और वायनाड दोनों सीटों पर जीत के बाद राहुल गांधी ने वायनाड की सीट को छोड़ दिया, जहां से प्रियंका गांधी जीतकर आईं।

लोकसभा चुनाव के परिणामों ने एकबारगी यह सोचने को मजबूर किया कि क्या बीजेपी की विजय के चक्के ने अब उल्टी दिशा में घूमना शुरू कर दिया है? पर ऐसा भी नहीं है। इस वर्ष आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम, हरियाणा, जम्मू—कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभाओं के चुनाव भी हुए। जम्मू—कश्मीर में एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव हुआ था। राज्य में अनुच्छेद 370 हटने के बाद यह पहला चुनाव था। इस बार मतदाताओं ने वोटिंग के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शानदार वापसी की। वहीं हरियाणा, जम्मू—कश्मीर के जम्मू क्षेत्र और खासतौर से महाराष्ट्र के परिणामों ने बीजेपी को भारी राहत प्रदान की।

प्रधानमंत्री बनने के नरेंद्र मोदी ने गृह, रक्षा, वित्त और विदेश विभाग अपने उन्हीं सहयोगियों को सौंपे जो पिछले कार्यकाल में उनके मंत्री थे। इससे उन्होंने यह जाहिर कर दिया कि जैसा चल रहा था, वैसा ही चलेगा। बहरहाल केंद्र में गठबंधन की मजबूरियों के कारण इस सरकार को अब अगले चार साल तक अपने राजनीतिक—कार्यक्रमों को लागू करने में वैसी स्वतंत्रता नहीं होगी, जैसी पिछले दस वर्षों में रही। साल के अंत में सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' कार्यक्रम के साथ संविधान—संशोधन का विधेयक पेश किया है। उसे फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। अब उसे पास कराने के लिए जिस विशेष दो—तिहाई बहुमत की जरूरत भविष्य में होगी, उसके लिए सरकार को अपने गठबंधन सहयोगियों के अलावा दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत भी होगी।

साल की शुरुआत 22 जनवरी को अयोध्या के राममंदिर की स्थापना के साथ हो गई। लगता था कि अयोध्या—विवाद का समाधान हो जाने के बाद बीजेपी के पास एक मसला कम हो गया है, पर ऐसा है नहीं। वाराणसी के ज्ञानवापी, मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि, राजस्थान के अजमेर शरीफ और अब संभल के विवादों ने राष्ट्रीय—परिदृश्य को घेर लिया है। इन विवादों के संदर्भ में साल के आखिरी महीने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान ने एक और बहस को जन्म दे दिया है, जो संभवतः अगले साल के राष्ट्रीय—परिदृश्य को प्रभावित करती रहेगी।

मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में 'हिंदू सेवा महोत्सव' के उद्घाटन के दौरान कहा, 'मंदिर—मस्जिद के रोज नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। अब वर्चस्व का जमाना खघ्त्म हो गया है। यह सब पुरानी लड़ाइयां हैं, इन्हें भूलकर हमें सबको संभालना चाहिए।' भागवत के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कुछ धर्माचार्यों की प्रतिक्रियाओं ने उत्तर भारत के सर्द माहौल में गर्मी पैदा कर दी है। इस गर्मी के साथ साल के अंत में डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर पैदा हुई तल्खी भी साल की महत्वपूर्ण घटनाओं में एक है। अंबेडकर की विरासत को लेकर राजनीति में तूफान आया हुआ है। अमित शाह की टिप्पणी के बाद संसद के परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई तक हुई। अगले साल की पहली तिमाही में ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यकीनन सभी दल इस मुद्दे को उठाना जारी रखेंगे।

इस तूफान के लक्षण 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले प्रकट होने लगे थे, जब कांग्रेस ने जाति और संविधान की रक्षा को अपना मुद्दा बनाया। कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी '400 पार' इसलिए चाहती है, ताकि वह संविधान को खत्म कर सके। संविधान खत्म होगा, तो आरक्षण भी खत्म हो जाएगा। माना जाता है कि आरक्षण खत्म होने के भय ने दलित वोटर को 'इंडिया' गठबंधन की शरण में जाने को प्रेरित किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और जेल से बाहर आने के बाद उनके इस्तीफे ने भी राजनीतिक गलियारों में हलचल मचाई है। केजरीवाल के अलावा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस साल जेल जाना पड़ा, पर विधानसभा चुनाव में उनकी जीत ने इस कष्ट को काफी कम कर दिया।

चुनाव का वर्ष होने के कारण इस साल पहले फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया और फिर नई लोकसभा के गठन के बाद जुलाई में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्ण बजट पेश किया। आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में यह साल भारत के लिए उत्साहवर्धक रहा। अर्थव्यवस्था ने 2024 में अपनी रिकवरी जारी रखी, देश ने 7 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर्ज की, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गई। भारत, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो चौथे स्थान वाले जर्मनी को जल्दी ही पीछे छोड़ देगा। दूसरी तरफ जुलाई—सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर अप्रत्याशित रूप से गिरकर 5.4 प्रतिशत पर आ गई, जो सात तिमाहियों में सबसे कम है, जबकि मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। इससे कुछ चिंता जरूर बढ़ी है, लेकिन रिजर्व बैंक ने पुष्टि की कि यह मंदी और मुद्रास्फीति उच्च खाद्य लागतों के कारण है, जो जनवरी—मार्च तिमाही तक सामान्य हो जाएगी। देश में हर दिन औसतन 27 किलोमीटर नई सड़कें बनीं। इस दौरान 79 प्रतिशत भारतीय घरों में नल का पानी पहुंच गया है। रेलवे के विस्तार की दृष्टि से उधमपुर—श्रीनगर—बारामूला रेल संपर्क पूरा होना एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में परिवहन बेहतर हो गया है।

साल का समापन अंतरिक्ष में दो यानों की डॉकिंग के स्पेडैक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट) मिशन से हो रहा है। दुनिया में सिर्फ तीन देश—अमेरिका, रूस और चीन के पास ही दो यानों की डॉकिंग की क्षमता है। भारत को अपने स्पेस स्टेशन को बनाने के लिए इस तकनीक की जरूरत है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस साल आने वाले वर्षों के अंतरिक्ष मिशनों की एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। इसमें चंद्रयान—4, चंद्रयान—5 और गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम शामिल हैं।

भारत 2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेगा, वहीं 2040 तक चंद्रमा पर मानव उतारकर इतिहास रचेगा। सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में अंतरिक्ष कार्यक्रमों को लेकर कुछ फैसले किए गए। सरकार ने अपने शुक्र ऑर्बिटर मिशन, गगनयान फॉलो—ऑन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के साथ—साथ अगली पीढ़ी के लॉन्च वाहन विकास को भी मंजूरी दी। इस साल लंबी दूरी की हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत की रक्षा तैयारियों को काफी मजबूत किया। इसके अलावा, भारत ने अमेरिका के साथ 3.5 अरब डॉलर का ड्रोन सौदा किया, जिससे तीनों सेनाओं की क्षमता में वृद्धि होगी।—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

2025 में कैसी होगी राजनीतिक दशा दिशा

—डॉ.सत्यवान सौरभ—

वर्ष 2025 चुनावों से परे देखने का एक अवसर प्रदान करता है। 2024 में, भारत, में राजनीति ने आश्चर्यजनक मोड़ लिया। ये घटनाक्रम कुछ जगहों पर अभूतपूर्व थे, दूसरों में तेज या अप्रत्याशित थे। इसने दिखा दिया कि भारतीय राजनीति में अब क्षेत्रीय दलों की ताकत लगातार बढ़ रही है और भविष्य में ये दल राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभा सकते हैं। 2025 में चुनावों से परे देखने का मौका मिलेगा। यह शायद ऐसा साल होगा जिसमें शासन केंद्र में होगा। 2024 के लोकसभा चुनाव का एक संदेश यह था कि लोग संयम के साथ निरंतरता को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने जानबूझकर जनादेश को गलत तरीके से पढ़ने का विकल्प चुना है। उनकी राजनीतिक स्थिति सख्त हो गई है और उन्होंने अपनी कटु प्रतिद्वंद्विता को रोजमर्रा की राजनीति, संसद और उससे परे तक ले गए हैं।

संसद में घिनौना हंगामा और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से दुश्मनी और बढ़ेगी। हालात सामान्य होने के लिए दोनों पक्षों को अपने—अपने राजनीतिक और वैचारिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के साथ ही संवाद और बातचीत के लिए कोई बीच का रास्ता निकालना होगा। ऐसा लगता नहीं है कि मंदिर और मस्जिद पर राजनीति 2025 में खघ्त्म हो जाएगी। 10 मस्जिदों ६ मजारों से जुड़ी कम से कम 18 याचिकाएँ इस समय अदालतों में लंबित हैं। मुस्लिम स्थलों पर हिंदू अधिकारों का दावा करने वाले नए मुकदमों में से अधिकांश उत्तर प्रदेश में दायर किए गए हैं। विधानसभा चुनाव अभी दो साल से ज़्यादा दूर हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में राजनीतिक परिदृश्य अभी से गरमाने लगा है।

2025 में होने वाले प्रमुख विधानसभा चुनाव तीन प्रमुख राजनीतिक ब्रांडों—नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और नरेंद्र मोदी के लिए एक परीक्षा होंगे। अक्टूबर—नवंबर 2025 में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव ब्रांड नीतीश के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी, जिनका राजनीतिक निधन एक से ज़्यादा बार लिखा जा चुका है। चुनाव में तेजस्वी यादव की राजनीतिक क्षमता का भी परीक्षण होगा, जो लंबे समय से बिहार के मुख्यमंत्री बनने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। 2013 से दिल्ली में सत्ता में काबिज अरविंद केजरीवाल आप को लगातार तीसरी बार सत्ता में ला पाएंगे? आज, केजरीवाल की छवि और उनकी राजनीति का ब्रांड दोनों ही दांव पर हैं। प्रधानमंत्री की ब्रांड वैल्यू भी बिहार और दिल्ली दोनों में परखी जाएगी। 2014 से तीन बार सभी सात लोकसभा सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ढाई दशक से अधिक समय से दिल्ली में राजनीतिक रूप से निर्जन है।

लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक—जिसे अब संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है—भाजपा की इस बात की परीक्षा लेगा कि वह इस मामले में अपनी बात मनवा पाती या नहीं। पिछले 10 वर्षों में, भाजपा विवादास्पद कानून पारित करवाने में सफल रही है, जिसमें जम्मू—कश्मीर को विभाजित करने और (पूर्ववर्ती) राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदलने का विधेयक भी शामिल है। अब स्थिति अलग है। लगभग पूरा विपक्ष एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट है। जाति, जनगणना, यूसीसी ऐसे वर्ष में जब केंद्र सरकार विलंबित दशकीय जनगणना अभ्यास शुरू करने का इरादा रखती है, जाति पर बयानबाजी और भी तीखी हो जाएगी। बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार जनगणना में जाति को शामिल करेगी।

जाति और सामाजिक न्याय का मुद्दा भाजपा के हिंदुत्व के अभियान का मुकाबला कर सकता है और इसी कारण से भाजपा ष्बटेंगे तो कटेंगेष और ष्एक हैं तो सुरक्षित हैंष जैसे राजनीतिक नारे दे रही है। यूसीसी को आगे बढ़ाने के प्रयास राजनीति में नई दरार पैदा कर सकते हैं। बी आर अंबेडकर की विरासत को लेकर संसद में बयानबाजी से संकेत मिलता है कि दस्ताने पूरी तरह से बंद हो चुके हैं।

नूतनता को लिए नववर्ष, सदा हिय को हर्षाता रहे

नूतनता को लिए नववर्ष, सदा हिय को हर्षाता रहे।
धरा धन—धान्य से पूरित हो, पय की रस धार बहाता रहे।
जनमानस में नित प्रेम पगे,
नित शान्ति का पाठ पढ़ाता रहे।
एकता की प्राणों में सूत्र बँधे,
पथ मानवता का दिखाता रहे ।

—भद्रसेन सिंह 'बंधु'

घर गिराना पड़ा भारी, 25 लाख मुआवजे के सुप्रीम कोर्ट आदेश के बाद पूर्व डीएम-एडीएम-कोतवाल समेत 27 पर केस दर्ज

संवाददाता—महराजगंज। महाराजगंज में सड़क के चौड़ीकरण के लिए घरों को बुलडोजर से गिराने की कार्रवाई अब अफसरों पर उल्टी पड़ने लगी है। अब तत्कालीन डीएम, तत्कालीन एडीएम, तत्कालीन एडिशनल एसपी, तत्कालीन कोतवाल सहित 27 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। मामले में 26 नामजद आरोपी हैं। केस याचिकाकर्ता मनोज टिबरेवाल की तहरीर के आधार पर महाराजगंज की कोतवाली में दर्ज हुआ है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को याचिकाकर्ता को 25 लाख रुपए अंतरिम मुआवजा देने का भी निर्देश दिया था। छह नवंबर 2024 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा था कि प्रक्रिया का पालन किए बगैर किसी के घरों में घुसना, तोड़ना अराजकता है। पीठ ने सड़कें चौड़ी करने एवं अतिक्रमण हटाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी करते हुए यह टिप्पणी की थी। पीठ ने यूपी सरकार को महराजगंज के हामिद नगर इलाके में 2019 में सड़क चौड़ी करने के लिए घरों को तोड़े जाने के मसले पर पीड़ित मनोज टिबरेवाल की ओर से भेजे पत्र पर 2020 में स्वतरू संज्ञान लेकर शुरू किए गए मामले में यह आदेश दिया था।

कोर्ट ने सड़क चौड़ा करने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किए बगैर लोगों के घरों को तोड़े जाने पर यूपी सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी। शीर्ष अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए महराजगंज में लोगों के घरों को तोड़ने के लिए अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई को अत्याचारी कृत्य और अवैध बताते हुए कहा था कि आप (राज्य सरकार) रातों-रात लोगों के घरों को बुलडोजर से नहीं गिरा सकते।

सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने यूपी सरकार से कहा था कि आप घर में रहने वाले लोगों को खाली करने का समय नहीं देते, घरेलू सामानों का क्या? किसी भी तरह की कार्रवाई के लिए उचित प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने कहा कि लोगों ने सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण किया था। इस पर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि आप कहते हैं कि वह 3.7 वर्गमीटर का अतिक्रमणकर्ता था, हम इसे सुन रहे हैं, लेकिन आप इस बारे में कोई प्रमाण नहीं दे रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि तथ्यों से साफ पता चलता है कि कार्रवाई करने से पहले कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था, आप केवल साइट पर गए थे और लोगों को सूचित किया था। हम इस मामले में दंडात्मक मुआवजा देने के इच्छुक हो सकते हैं। क्या इससे न्याय का उद्देश्य पूरा होगा। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने कहा कि कार्रवाई में 123 अवैध निर्माण थे।

इस पर जस्टिस पारदीवाला ने यूपी सरकार से कहा कि आप यह किस आधार पर कह रहे हैं कि लोगों का घर अवैध था? आपने 1960 से क्या किया है? पिछले 50 साल से आप क्या कर रहे थे? बहुत अहंकारी, राज्य सरकार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के आदेशों का कुछ सम्मान करना होगा, आप चुपचाप बैठे हैं और एक अधिकारी के कार्यों की रक्षा कर रहे हैं। जस्टिस पारदीवाला ने राज्य सरकार के वकील से कहा था कि आपके अधिकारी ने पिछली रात सड़क चौड़ीकरण के लिए पीले निशान वाली जगह को तोड़ दिया, अगले दिन सुबह आप बुलडोजर लेकर आ गए। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से मनमानापूर्ण कार्रवाई है, आप केवल मौके पर गए और लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को सूचित किया। आप केवल ढोल बजाकर लोगों को घर खाली करने और उन्हें ध्वस्त करने के लिए नहीं कह सकते। उचित सूचना होनी चाहिए। पीठ ने एनएचआरसी की जांच रिपोर्ट पर गौर किया था, जिसमें खुलासा हुआ कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कथित अतिक्रमण से कहीं अधिक व्यापक थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यूपी के मुख्य सचिव को अवैध तरीके से लोगों के घरों को तोड़ने के पूरे मामले की जांच करने का आदेश दिया था। पीठ ने मुख्य सचिव को अधिकारियों और ठेकेदारों की भूमिका की जांच कर सभी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने न सिर्फ याचिकाकर्ता मनोज टिबरेवाल बल्कि अन्य लोगों के घर को तोड़े जाने की कार्रवाई की जांच करने और एक महीने में रिपोर्ट पेश करने को कहा था। पीठ ने यूपी सरकार को जांच के बाद कानून की प्रक्रिया के उल्लंघन में कार्यों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ आपराधिक प्रकृति की कार्रवाई सहित उचित कार्रवाई करने का आदेश दिया था। सड़क चौड़ीकरण के दौरान वर्ष 2019 में महराजगंज में सौ से अधिक मकानों-दुकानों में तोड़फोड़ हुई थी। कई मकानों पर प्रशासन का बुलडोजर चला था तो बहुतों ने खुद ही अपना आशियाना तोड़कर अतिक्रमण की जद से बाहर आने की कोशिश की थी। महराजगंज शहर के फरेंदा रोड का 2019 में चौड़ीकरण हो रहा था। सड़क के दोनों किनारों पर नाले के साथ साइड रोड बनाने का काम शुरू हुआ था। शहर के मुख्य चौराहे से लेकर जिला मुख्यालय तक सौ से अधिक मकान व दुकान दोनों ओर चिह्नित किए गए जो अतिक्रमण की जद में आ रहे थे। एनएचएआई ने मकानों व दुकानों पर लाल मार्क लगाए। शुरुआत में एक-दो मकानों का अतिक्रमण जेसीबी से हटवाया गया तो बहुतों ने खुद मजदूर लगाकर मकानों को तोड़वाया।

इसी बीच मुख्य चौराहे पर स्थित पत्रकार मनोज टिबड़ेवाल के मकान को 13 सितंबर–2019 को जेसीबी लगाकर तोड़ा गया था। इस मामले में मनोज टिबड़ेवाल का कहना है कि उनके दादा ने 1960 में बैनामें में यह जमीन खरीदी थी। जिला प्रशासन ने उनके मकान को गिरवा दिया था और 123 लोगों के मकान दहशत फैलाकर खुद तुड़वा दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जबरन अवैध तरीके से मकान गिराने की बात कहते हुए राज्य सरकार को तत्काल 25 लाख का अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया है। सभी दोषियों के खिलाफ जांच का आदेश हुआ है और एक महीने के अंदर सभी दोषियों के खिलाफ क्रिमिनल और विभागीय कार्रवाई भी करने को कहा है। कहा कि इस फैसले से सभी को मुआवजा मिलने का रास्ता साफ हुआ है।

बैठक में सुरक्षा एजेंसियों ने साझा किए संपर्क सूत्र

संवाददाता—श्रावस्ती। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ 2025 को लेकर भारत नेपाल सीमा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस क्रम में मंगलवार को सीमा क्षेत्र में एसएसबी व पुलिस की संयुक्त बैठक हुई। साथ ही संयुक्त रूप से गश्त कर सीमा की निगरानी की गई। सीमावर्ती थाना सिरसिया क्षेत्र में मंगलवार को सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज ने पुलिस, एसएसबी व नेपाल पुलिस के साथ संयुक्त रूप से भचकाही नाका पर पैदल गश्त किया। साथ ही बैठक कर सीमा सुरक्षा के अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। नो मैन्स लैंड का निरीक्षण किया गया। सीमा पार नेपाल के गांवों और व्यक्तियों से जुड़ी जानकारी भी एकत्र की गई। इसी तरह थाना मल्हीपुर क्षेत्र में चौकी असनहरिया व तिकोनी बंधा पर पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने बैठक की और सीमा क्षेत्र में गश्त किया। बैठकों में सुरक्षा एजेंसियों ने संपर्क सूत्र साझा किए और आपात स्थितियों में सूचना के आदान–प्रदान करने का निर्णय लिया। साथ ही पगदडी मार्गों का भ्रमण कर निगरानी की गई। आते जाते लोगों से पूछताछ के साथ ही संघन तलाशी ली गई।

लॉन्ड्री–ड्राइक्लीनिंग के लिए लोन मिलेगा

संवाददाता—बहराइच। लॉन्ड्री एवं ड्राईक्लीनिंग योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति के पात्र लोगों के लिए 1 लाख तथा 2.16 लाख लागत की परियोजनाएं हैं। परियोजाओं में 10 हजार का अनुदान मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

10 हजार रुपये का मिलेगा अनुदान

संवाददाता—बहराइच। नगरीय क्षेत्रों में ऐसे अनुसूचित जाति के पात्र परिवार जिनके पास निजी 13.32 वर्ग मीटर व्यवसायिक स्थल पर भूमि उपलब्ध है, उन्हें स्वयं द्वारा दुकान निर्माण के लिए दो किस्तों में 78 हजार रुपये उग्र अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड दिए जाते हैं, 10 हजार का अनुदान मिलेगा।

बाइकों की टक्कर में पांच घायल, तीन रेफर

संवाददाता—गोण्डा। खोड़ारे कस्बे में दो बाइकों मे आमने–सामने हुई भिड़ंत में पांच लोग जख्मी हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद तीन लोगों की हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है। खोड़ारे थानाक्षेत्र के स्थानीय कस्बे में कूकनगर गुंट मार्ग पर मंगलवार दोपहर मे आमने–सामने दो बाइकों में भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोग घायल हो गये। जिन्हें पुलिस की मदद से सीएचसी बभनजोत पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने उमेश सिंह (42)निवासी महुआडाबर, ओम प्रकाश सोनकर (32) निवासी बेलाघाट बस्ती तथा शिव कुमार वर्मा (55) निवासी बकुई खुर्द को गंभीर हालत के चलते रेफर कर दिया। सीएचसी अधीक्षक तरुण मौर्य ने बताया कि रेफर किए गए उमेश सिंह व शिव कुमार की हालत गंभीर है।

वालीबाल में पारवानी,कबड्डी में नेपाल विजेता

संवाददाता—बहराइच। निहींपुरवा तहसील के ग्राम पंचायत बोझिया में चल रहे खेल महोत्सव का मंगलवार को फाइनल मुकाबले खेले गए। क्रिकेट में बोझिया, वालीबाल में परवानी गौढ़ी व कबड्डी में नेपाल की टीम विजई रही। मुख्य अतिथियों की ओर से विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। कहा कि खेल सिर्फ शारीरिक ही नहीं,बल्कि कैरियर के क्षेत्र में भी इस दिशा में बेहतर परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। खेल महोत्सव में क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बोझिया व घूमनाथारू टीम के बीच हुआ । जिसमें बोझिया की टीम के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज किया। वालीबाल में पारवानी गौढी, खो– खो में ग्रामोदय लघु माध्यमिक विद्यालय और कबड्डी में नेपाल की टीम विजई रही। विशिष्ट अतिथि रहे उदयराज निषाद व प्रेम मल्होत्रा ने कहा कि शिक्षा के साथ युवा खेल में सहभागिता करें । इससे शरीर फिट रहेगा। उन्होंने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। पिन्टू मौर्य, छैल बिहारी निषाद, महिला नेत्री राजमति निषाद, राकेश कश्यप, डाक्टर राजित राम निषाद, अशोक मौर्य, पतिराम, रोहित, बृजेश निषाद, विक्रम निषाद, ग्राम प्रधान मकबूल खान, चंदन, मोतीलाल मौजूद रहे।

ईश्वरीय प्रेम के बिना मानवीय जीवन का कल्याण नहीं हो सकता –डॉ प्रभाकर

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। श्री राम नगरी के स्थित तुलसी सत्संग भवन सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस की बेला में व्यास पीठ से डॉ.प्रभाकर शरण महाराज ने जैसे ही भगवान कृष्ण के जन्म के अद्भुत प्रसंग की व्याख्या की और कहां कि इस पावन धराधाम पर भगवान कृष्ण का अवतरण हुआ पूरा परिसर नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल के जयकारे से गुंजायमान हो उठा और चारों ओर हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जयकारे से गुंजायमान होने लगा उपस्थित सभी लोग भाव विभोर होकर के नाचने लगे ऐसा विहंगम दृश्य देखकर सभी लोग भाव विभोर हो गए और भगवान कृष्ण की आरती गाने लगे इस अवसर पर बाल व्यास गोपालानंद महाराज एवं समस्त सत्संग परिवार उपस्थित रहे। ताकि विश्राम बेला पर यजमान अंजनी देवी आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया।

महंत स्वामी रामप्रिया शरण वेदांताचार्य महाराज को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनगरी की प्रतिष्ठित पीठ श्रीसतगुरु निवास गोलाघाट के साकेतवासी महंत स्वामी रामप्रिया शरण वेदांताचार्य महाराज की 10वीं पुण्यतिथि निष्ठापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। सभा में अयोध्यानगरी के विशिष्ट संत—महंतों ने उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। साकेतवासी महंत के शिष्य महंत सियावर शरण एवं महंत सीताकांत शरण के संयोजन में संत–महंतों ने उनको श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि गुरुदेव ने अयोध्या की महिमा, कीर्ति–यश अपने जीवन पर्यंत भागवत कथा के माध्यम से अनेकों भक्तों का कल्याण किया, जिनमें मिथिलांचल में विशेष है। इस मौके पर लक्ष्मणकिला धीश महंत मैथिली रमण शरण महाराज एवं अधिकारी सूर्यप्रकाश शरण, हनुमत निवास के महंत आचार्य मिथलेश नन्दिनी शरण, महंत अवधकिशोर शरण, महंत अंजनी शरण, महंत रामभद्र शरण, महंत रामशरण दास रामायणी, महंत मुकेश दास, महंत प्रियाप्रीतम शरण आदि संत–महंत और भक्तगण उपस्थित रहे। साकेतवासी महंत के शिष्य सीताकांत शरण ने बताया कि हमारे गुरुदेव सरल, सहज स्वभाव के महान संत थे। जो अपने गुरुदेव स्वामी सीताराम शरण महाराज श्रीलक्ष्मणकिला धीश सरकार के विशेष कृपा पात्र शिष्य थे। जिनमें साधुता कूट–कूट कर भरी थी। वह अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत रहे। साथ ही साथ गौ एवं संत सेवी थे। इस अवसर पर आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत–सत्कार उनके शिष्य महंत सियावर शरण व महंत सीताकांत शरण ने किया।

सपा कार्यालय पर बनाया गया लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि

संवाददाता—देवरिया। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर मंगलवार को लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि मनायी गयी। सपानेताओं ने पुण्यतिथि पर लोकबंधु राजनारायण के चित्र पर पुष्पअर्पित कर मनाया।

सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा की लोकबंधु राजनारायण एक स्वतंत्र संग्राम सेनानी, कुशल राजनेता व समाजवादी विचारक थे। वह आचार्य नरेन्द्रदेव व डॉ. लोहिया के अत्यंत करीबी थे। बड़े व सम्पन्न परिवार मे पैदा होने के बाद भी उनके हृदय मे शोषितों व वंचितों के प्रति अथाह प्रेम था। वह आजीवन सत्ता के खिलाफ संघर्ष करते रहे व सत्ताजनित अराजकता से डटकर मुकाबला किए। सत्ता की निरंकुशता व उत्पीड़न उन्हें उनके मार्ग से विचलित न कर सका।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का अह्वान करते हुए कहा की हमे लोकबंधु से प्रेरणा लेकर निरंकुश सत्ता के खिलाफ संघर्ष का शंखनाद करना होगा। लोकबंधु संघर्ष के दौर मे 58 बार जेल गये पर सत्ता का डटकर मुकाबला किये। सत्ता में बैठे लोगों के अहंकार को लोकतांत्रिक तरिके से जिस प्रकार लोकबंधु ने चुर चुर किया।

देश के सामने पुनरू वैसी हिस्थिती प्रकट हो गयी है सत्ता की सनक पर सवार सत्ताधारियों को ये लगने लगा है की हमारे आगे सब कुछ बौना है,तब हमे लोकबंधु राजनरायण के बाए रास्ते पर चलकर इन्हे माकूल जवाब देना होगा व आगामी विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के हाथों को मजबुत करना होगा तभी लोकबंधु राजनरायण का सपना साकार होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष श्री व्यास यादव एवं संचालन जिला सचिव नित्यानंद तिवारी ने किया।

श्रद्धांजलि सभा में बेचूलाल चौधरी, हृदयनारायण जायसवाल, रमजान अली, अशोक मद्धेशिया, अमित सिंह गौतम, रामप्रीत यादव, सहातम यादव, रमेश यादव, गिरीश जायसवाल, अर्जुन यादव, अमरेंद्र यादव, राजनाथ यादव, नितेश गौतम, अश्ववनी भास्कर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक ने अस्पताल में तोड़ा दम

संवाददाता—श्रावस्ती। रविवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीररूप से घायल हो गया था। युवक को जिला अस्पताल भिनगा से ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर किया गया था। सोमवार रात इलाज के दौरान लखनऊ में घायल युवक ने दम तोड़ दिया।

सिरसिया थाना क्षेत्र के चिल्हरिया मोड़ निवासी अब्दुल काइद (25) पुत्र मोहम्मद अजीज रविवार शाम को रात बाइक से सिरसिया से वापस घर लौट रहा था। इस दौरान रास्ते जनकपुर स्थित कस्तूरबा स्कूल के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें अब्दुल काइद गंभीररूप से घायल हो गया जिसे एंबुलेंस से सिरसिया सीएचसी में भरती कराया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल भिनगा भेजा दिया गया। लेकिन हालत नाजुक देखते हुए घायल को जिला अस्पताल भिनगा से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। परिजन घायल को लेकर लखनऊ पहुंचे और युवक को भर्ती कराया। लेकिन हालत में सुधार न होता देख ओमेगा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सोमवार रात इलाज के दौरान अब्दुल काइद की मौत हो गई। मौत के बाद परिजन शव लेकर घर चले आए।

शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मंगलवार शाम को अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया जाता है कि अब्दुल काइद के दो बच्चे हैं। बड़ी सात वर्षीय बेटी जोया बड़ी है जबकि पांच वर्षीय पुत्र दानिश छोटा है। कम उम्र में इन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। वहीं पत्नी रोशनी का रो रोकर हाल बेहाल है।

ट्रक और कार की टक्कर में तीन लोग चोटिल

संवाददाता—गोण्डा। आर्यनगर चौराहा पर सोमवार देर रात ट्रक व कार आपस में टकरा गई। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार तीन लोग को हल्की चोटें आई जिनका उपचार क्षेत्र के निजी चिकित्सालय पर कराया गया। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर फरार हो गया। चौकी प्रभारी अविनाश कुमार शुक्ला ने बताया कि सोमवार देर रात कौड़िया थाना क्षेत्र के गोंडा बहराइच मार्ग के आर्यनगर चौराहा पर लखनऊ से बलरामपुर जा रही कार को गोंडा से बहराइच जा रही ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे कार में सवार शुभम सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी स्वाभिमान पुरवा तुलसीपुर रोड बलरामपुर, श्रवण पांडेय पुत्र राजेश पांडेय निवासी कल्ला भट्ठा बलरामपुर, आईजेड हेरल्ड मैरिस पुत्र इकबाल हुसैन मैरिस निवासी लक्ष्मी नारायण मंदिर मोहल्ला पुरनिया जनपद बलरामपुर को हल्की चोटें आई। हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंचकर कार सवार सभी लोगों का उपचार स्थानीय निजी चिकित्सालय पर कराया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कौड़िया अरविन्द कुमार सिंह ने घटना की तहरीर मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मिल में तैनात आबकारी निरीक्षक को किया निलंबित

संवाददाता—गोण्डा। शराब मिल से 85000 लीटर ईएनए (एक्सट्रा न्यूट्रल अल्कोहल) चोरी की जांच–पड़ताल अभी चल रही है। यह मामला आबकारी विभाग के गले की फांस बन गया है। विभाग ने शराब मिल में तैनात आबकारी निरीक्षक अवधेश राय को निलंबित कर दिया है। वहीं, सहायक आबकारी आयुक्त का तबादला बस्ती जिले के रुधौली में कर दिया है। वहीं, जांच के दौरान कुछ और भी खुलासे हो रहे हैं। मामले की आबकारी विभाग की ओर से की जा रही विस्तृत जांच के दौरान टैंक सख्या एस–6 से 24000 लीटर ईएनए गायब हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसके अलावा चार साल पहले अलग–अलग राज्यों से मंगाए गए लाखों लीटर ईएनए भी संदेह के घेरे में हैं।

सूत्रों की मानें तो टैंक मे मौजूद ईएनए के मापक यंत्र गेज में भी खेल किया गया है। इसलिए मापक यंत्र टैंक मे मौजूद ईएनए की मात्रा को बढ़ाकर दर्शाता था। मिल में तैनात किए गए नए आबकारी आयुक्त सन्तोष कुमार ने बताया कि मामला बहुत ही व्यापक और गम्भीर है, अकेले मेरे द्वारा इतनी विस्तृत जांच कर पाना संभव नही है। इसलिए उन्होंने विभाग को बड़े अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल गठित करने लिए पत्र लिखा है।

अपनी गर्दन फंसती देख विभाग ने शराब मिल में तैनात आबकारी निरीक्षक अवधेश राय को निलम्बित कर दिया है। उनसे ऊपर के अधिकारी सहायक आबकारी आयुक्त राम प्रीत चौहान का तबादला बस्ती जिले के रुधौली स्थित डिस्टलरी में कर दिया गया है। बहरहाल बीते ढाई वर्षों से यहां तैनात रहे राम प्रीत चौहान का तबादला पुलिस जांच के दौरान ही कर दिया जाना सवालिया निशान खड़ा करता है। फिलहाल नए सहायक आयुक्त सन्तोष कुमार ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद मिल के टैंकों से गायब ईएनए की जांच में जुट गए हैं। उधर, नवाबगंज के थाना प्रभारी निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बिजली कनेक्शन काटने पर लगाया जाम

संवाददाता—गोण्डा। बिजली कनेक्शन कटने से नाराज सिंगहा चंदा के उपभोक्ताओं ने तरबगंज–डुमरियाडीह मार्ग पर सोमवार को जाम दिया। जिससे राहगीरों का आवागमन करीब एक घंटे तक बाधित रहा। सूचना पर पहुंचे प्रभारी तहसीलदार और पुलिस बल के समझाने बुझाने पर रास्ता खाली कराया जा सका। प्रदर्शनकारियों में विशाल पाठक, उदय नारायण शुक्ला, प्रांजल पाठक, बृजेश सोनी, उत्तम पंडित, हरिविजय तिवारी, शुभम दूबे, अकबर अली, रहमान अली ने बताया कि विकासखंड के सिंगहा चंदा गांव के डीहा, फकीरन पुरवा, वृत्तिहन पुरवा, संत बक्स पुरवा, अहिरन पुरवा समेत करीब एक दर्जन मजरों का विद्युत कनेक्शन बिल का भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों ने बीते शनिवार को काट दिया था। इसके बाद परेशान उपभोक्ताओं ने मंगलवार को प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। रास्ता अवरुद्ध होने के बाद हरकत में आए अधिकारियों के बिजली कनेक्शन पुनः जोड़ने के आश्वासन पर रास्ता खाली कर जा सका। एसडीओ एसके वर्मा ने बताया कि तीन दिनों के भीतर बिजली बिल का भुगतान कराने के आश्वासन पर कनेक्शन जोड़ दिया गया है।

लाइन काटने खम्भे पर चढ़ा युवक करंट से झुलसा

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के बिजली महकमे में प्रशिक्षित बिजली कर्मचारियों की कमी है। ऐसे में बिजली विभाग की ओर से प्राइवेट व्यक्तियों को रखकर काम लिया जा रहा है। लेकिन जब भी कोई हादसा होता है बिजली विभाग पल्ला झाड़ लेता है।

गिलौला क्षेत्र सिसवारा चौराहे पर सोमवार को बिजली विभाग की ओर से कैम्प लगाकर बिजली बिल की वसूली की जा रही थी। इस दौरान बिजली विभाग के जेई व अन्य कर्मचारी मौजूद थे। साथ ही क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर निवासी मातबर यादव (28) पुत्र सत्यदेव कर्मचारियों के सहयोग में कैम्प में मौजूद था। वसूली के दौरान बकाएदार का बिजली कनेक्शन काटने के लिए कर्मचारियों ने बिना बिजली लाइन बंद कराए ही मातबर को खम्भे पर चढ़ा दिया। मतबार खम्भे पर चढ़कर कनेक्शन काटने लगा तभी वह करंट की चपेट में आकर झुलस गया। इस दौरान कैम्प के लोग मौके से भाग गए। कुछ लोगों ने सूखे बांस के सहारे किसी तरह मातबर को तार से अलगकर नीचे उतारा और आनन फानन में एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी गिलौला में भर्ती कराया। जहां से उसे जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल बहराइच से मातबार को ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर कर दिया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। यह कोई पहला मामला नहीं है। बिजली विभाग अप्रशिक्षित लोगों से काम लेता है। जब कभी ऐसे हादसे होते हैं तो वह यह कहकर पल्ला झाड़ लेता है कि वह बिजली विभाग का कर्मचारी नहीं है।

कुलदीप यादव, जेई, बिजली उपकेन्द्र गिलौला ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। झुलसे युवक का बिजली विभाग से कोई सम्बन्ध नहीं है। संबंधित लाइनमैन ने अपनी सुविधा के लिए युवक को साथ में रखा था। सुनने में यह आ रहा है कि झुलसे हुए व्यक्ति के इलाज का खर्चा संबंधित लाइनमैन उठा रहा है। अभी युवक के परिवार की ओर से कोई शिकायत भी नहीं की गई है।

प्रदर्शनी में बच्चों की प्रस्तुति को सराहा

संवाददाता—गोण्डा। शहर के स्टेशन रोड पर संचालित हो रहे क्रेयान्स स्कूल मे मंगलवार को विभिन्न विषयों पर वार्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डीआईओएस डॉ. रामचंद्र ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए बच्चों की जमकर सराहना की। प्रबंधक राकेश गुप्ता ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कहा कि इससे बच्चों के बौद्धिक क्षमता का विकास होता है।

प्रधानाचार्य सुधा जायसवाल ने अतिथियों का आभार जताया है।

पहले शोषण फिर कोर्ट मैरिज अब महिला को छोड़ा

संवाददाता—श्रावस्ती। समुदाय विशेष के व्यक्ति ने हिन्दू लड़की को प्रेम जाल में फंसाकर शारीरिक शोषण किया। महिला के दबाव बनाने पर कोर्ट मैरिज किया। अब व्यक्ति ने महिला को छोड़ दिया है, महिला ने पुलिस से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने हरदत्त नगर गिरंट थाने में तहरीर दिया है। महिला का आरोप है कि वह हिन्दू है। एक वर्ष पहले बहराइच जनपद थाना रिसिया के महादा निवासी कलीम खां पुत्र पतलूम खां ने उससे फोन से सम्पर्क बनाया। इसके बाद उसे बहला फुसलाकर झांसे में लेकर बिना उसके मर्जी के शारीरिक सम्बन्ध बनाया। बाद में महिला ने शादी का दबाव बनाया और पुलिस से शिकायत करने की बात करने लगी। तब कलीम ने बहराइच न्यायालय में ले जाकर महिला के साथ कोर्ट मैरिज कर लिया और महिला को लेकर मुम्बई चला गया। महिला का आरोप है कि मुम्बई में कलीम अपने रिस्तेदारों के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाने का दबाव बनाने लगा। जिसका महिला ने विरोध किया। इसके बाद कलीम महिला को लेकर अपने घर महादा आ गया। तब महिला को पता चला कि वह शादी सुदा है। महादा में महिला को गौ–मांस खिलाने की कोशिश की गई। नमाज पढ़ने का दबाव बनाया गया। लेकिन महिला ने ऐसा करने से मना कर दिया। महिला का आरोप है कि गौमांस खाने व नमाज पढ़ने से इनकार करने पर कलीम उसे मल्हीपुर लाया और छोड़कर चला गया। महिला की शिकायत पर हरदत्तनगर गिरंट पुलिस ने कलीम खां, उसके पिता पतलूम और माता नाजिया के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अफसरों के साथ मिलकर कुंभ के बजट का आनंद ले रही भाजपा सरकार -शिवपाल सिंह यादव

संवाददाता—अयोध्या। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सपा कार्यकर्ता ललित यादव के माता की तेरहवीं के कार्यक्रम में शिरकत की। अयोध्या पहुंचे शिवपाल यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा को निशाने पर रखा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से अलग होने के अटकलों के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि जनता भाजपा से परेशान है। भाजपा में नाराजगी भी है। जनता जब दुखी होगी, तब निश्चित रूप से भाजपा सरकार हटेगी। वन नेशन वन इलेक्शन पर कहा कि जब भी चुनाव होंगे, भाजपा हर जगह से हारेगी। इसलिए जनता को बहकावे के लिए इस तरह के बिल ला रहे हैं। जितने भी चुनाव हुए क्या एक साथ भाजपा ने चुनाव करवा लिए हैं, जब कभी अल्पमत में सरकार होगी जो कि किसी भी प्रदेश में अल्पमत सरकार आ सकती है तो फिर क्या होगा। यह तो भाजपा के लोग हैं केवल बेईमानी करते हैं।

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि बहुत दिनों से कुंभ लग रहा है। जब हमारी सरकार थी हमने भी व्यवस्थाएं की, हम लोगों ने 600 करोड़ रुपए खर्च किए थे। भाजपा सरकार अधिकारियों से मिलकर कुंभ के बजट का आनंद ले रही है। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर शिवपाल यादव ने कहा कि जितने भी समाजवादी पार्टी के वोट हैं वो काटे जा रहे हैं। ये बेईमान सरकार है। भगवान राम के नाम पर कितने—कितने घटिया काम कर रहे हैं, जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां की जनता ने जिस तरह से लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया था, उसी तरह से मिल्कीपुर में भी जनता भाजपा को हराएगी।

अयोध्या राम मंदिरः नए साल के पहले दिन भक्तों की लगी भीड, सभी होटल—गेस्ट हाउस हुए फुल

संवाददाता—अयोध्या। नववर्ष 2025 की अगवानी रामलला के दर्शन—पूजन से होगी। नए साल के पहले दिन बुधवार को राम मंदिर में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर मंगलवार को आस्था का नजारा रामनगरी में नजर आया। रामलला व हनुमंतलला के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रामपथ से लेकर भक्ति पथ तक पूरे दिन श्रद्धालुओं के जयघोष गूंजते रहे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला नया साल है। इस मौके पर अयोध्या में भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। रामनगरी धार्मिक पर्यटन का हब बन चुकी है। इसका प्रमाण यह है कि पिछले 25 दिसंबर से ही रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या में रोजाना एक लाख से अधिक भक्त पहुंच रहे हैं। नए साल पर यह संख्या बढ़कर दो लाख तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

नववर्ष पर रामलला के दर्शन का रिकॉर्ड भी बनने की उम्मीद है। रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन कर नए साल के पहले दिन की शुरुआत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग अयोध्या पहुंचेंगे। इसमें स्थानीय के साथ आसपास के जिलों और अन्य प्रदेशों के भी श्रद्धालु शामिल होंगे। इससे पहले मंगलवार को रामलला के दरबार में एक लाख से अधिक भक्त पहुंचे। जबकि हनुमानगढ़ी में सुबह पांच से लेकर रात नौ बजे तक दर्शन के लिए कतार लगी रही। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन ने जगह—जगह यातायात डायवर्जन लागू कर रखा है। टेढ़ी बाजार से वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया। वहीं रामघाट व लता चौक से भी चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहा।

पांच अगस्त वर्ष 2020 को राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद कोरोना ने यहां आने की इच्छा संजोए श्रद्धालुओं के पैरों में बेड़ी डाल दी। वर्ष 2021 भी कोरोना के साये में ही बीता। 2022 में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे थे। इसके बाद से यह संख्या बढ़ती ही गई। भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से तो रोजाना 70 से 80 हजार भक्त रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस बार नया साल अयोध्या के छोटे और बड़े कारोबारियों के लिए नई उम्मीदें लेकर आया है। साल की शुरुआत में ही कारोबार को नए पंख लगने के प्रति वे पूरी तरह आश्वस्त हैं। हनुमानगढ़ी के पास प्रसाद बेचने वाले विकास गुप्त ने बताया कि नए साल से पहले ही अयोध्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। एक जनवरी को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आएंगे।

नए साल पर अयोध्या में दर्शन—पूजन का क्रेज बढ़ा है। रामलला के दर्शन से साल की शुरुआत करने की चाहत है। साल 2025 का पहला दिन अयोध्या में बिताने के लिए होटलों के 90 फीसदी से ज्यादा कमरों की बुकिंग हो गई है। लोग अब होम स्टे और टेंट सिटी में बुकिंग का प्रयास कर रहे हैं। होटल व्यवसायी रामजी कहते हैं कि लोग नए वर्ष की शुरुआत दर्शन—पूजन से करना चाहते हैं। एक जनवरी को पूरे देश से श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है।

पंडित कौशल्या नंदन ने बताया कि एक जनवरी यानी साल 2025 के पहले दिन चंद्रमा और मंगल ग्रह के बीच समसप्तक योग बन रहा है। इससे साल के पहले दिन धन योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही पौष मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि है। इस दिन धन योग के साथ हर्षण योग और उत्तराषाढ़ नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है, जिससे नववर्ष का महत्व और भी बढ़ गया है। एक जनवरी मिथुन, सिंह, वृश्चिक समेत अन्य पांच राशियों के लिए बेहद खास रहने वाला है। साथ ही बुधवार का दिन बुद्धि, तर्क शक्ति, वाणी व संचार के कारक ग्रह बुध देव और प्रथम पूज्य भगवान गणेश को समर्पित है।

जिला चुनाव अधिकारी का हुआ स्वागत

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। मंडल अध्यक्षों एवं जिला प्रतिनिधि के चुनाव के क्रम में सर्किट हाउस पहुंचे जिला चुनाव अधिकारी देवेन्द्र सिंह का भाजपा नेताओं ने भव्य स्वागत किया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व सदस्य केके मिश्र ने सर्किट हाउस पहुंचकर अंग वस्त्र भेंट किया। सर्किट हाउस पहुंचे कई पूर्व जिलाध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, निगम बोर्ड के वर्तमान व पूर्व सदस्यों ने भी शिष्टाचार मुलाकात की।

गैस चूल्हे से झुलसी युवती की मौत

संवाददाता—गोरखपुर। क्षेत्र के तुर्कवलिया गांव में खाना बनाते समय झुलसी 23 वर्षीय प्रियंका की मौत हो गई। सोमवार को खाना बनाते समय पीड़िता के शरीर की ऊपरी त्वचा पूरी तरह से जल गई थी। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

सिकंदरपुर ने एहिया कमालपुर को हराकर जीता उद्घाटन मैच

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जलालपुर तहसील क्षेत्र के भिसवां चितौना गांव में पोखरा बाबा खेल मैदान पर छह दिवसीय क्रिकेट मेला का शुभारंभ हुआ। जलालपुर विधायक प्रतिनिधि आशुतोष उपाध्याय रिंकू ने बतौर मुख्य अतिथि क्रिकेट मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया और खेल को जीवन का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन व आत्मसंयम की सीख देता है। उद्धघाटन मैच सिकन्दरपुर बनाम एहिया कमालपुर टीमों के बीच खेला गया, जिसमें सिकंदरपुर ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और निर्धारित आठ ओवरों में पांच विकेट खोकर 120 रनों के लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए एहिया कमालपुर की टीम आठ ओवर में नौ विकेट खोकर 65 रन ही बना सकी। पहला मैच सिकन्दरपुर ने जीत लिया। मैच के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने वाले धर्मेंद्र को मैन आफ द मैच घोषित किया गया। इस दौरान आयोजक मंडल के अध्यक्ष गौरव तिवारी, प्रधान शैलेश यादव, जेठू राम, ध्रुव जायसवाल, अनुज, राहुल, धर्मेंद्र, शनि समेत अन्य मौजूद रहे।

पेन्टर आर्टिस्ट एसोसिएशन ने श्रवण धाम में मनाया वार्षिकोत्सव

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश पेन्टर आर्टिस्ट एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव श्रवण धाम स्थित बौद्ध विहार में मनाया गया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष क्लासिक आर्ट की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणांचल में छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने पर चर्चा की गई। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी अकबरपुर सौरभ शुक्ल भी मौजूद रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप आर्ट, प्रदेश संरक्षक सौरभ आर्ट, जिला महामंत्री दिनेश आर्ट, कोषाध्यक्ष ओंम आर्ट, जिला उपाध्यक्ष टाइगर आर्ट, जिला मंत्री आरके आर्ट, छोटू आर्ट, ब्लाक अध्यक्ष रसिया आर्ट, कलर आर्ट, राजू आर्ट, शैनी आर्ट की अगुवाई में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा आर्ट ने कहा कि ग्रामीणांचलों में छिपी हुई प्रतिभाओं निखारने एवं पेन्टिंग आर्ट व लेखन विलुप्त होते हुए देखकर उन्हें फिर से जागृति करने का कार्य हमारे संगठन की ओर से किया जा रहा है, हम सब पेन्टर आर्टिस्ट संगठन के माध्यम से एक दूसरे के सुखदुख में हरसंभव मदद करते हैं। उन्होंने उपजिलाधिकारी से आग्रह करते हुए कहा कि उनकी हस्त कला को विलुप्त न होने दिया जाए।

वार्षिकोत्सव में अमेठी जिलाध्यक्ष गुड्डू, सुलतानपुर जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र आर्ट, अयोध्या जिलाध्यक्ष संतोष आर्ट के साथ जिले के बृजेश आर्ट, विशाल आर्ट, चन्दर आर्ट, संगम आर्ट, जवाहर आर्ट, सूरज आर्ट, विजय आर्ट सोहावल, एलोरा आर्ट फैजाबाद, संगठन के संस्थापक लालजी आर्ट, प्रदेश महामंत्री राम लगन भारती, पैंथर आर्ट गोविन्द सिंह, कलाश्री, संजीत आर्ट भीटी, लकी आर्ट, सुरेश आर्ट व अन्य मौजद रहे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए कलश और सोम का चयन

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। केंद्र सरकार की ओर से विकसित भारत युवा नेता संवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता 11 जनवरी को नई दिल्ली में होगी। जिसमें प्रदेश स्तर के सफल और चौंपियन प्रतिभाग करेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय प्रतियोगिता बीते 23, 24 और 26 दिसंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में हुई थी। जिसका परिणाम घोषित हो गया है। परिणाम में प्रदेश के 30 छात्र छात्राओं को चौम्पियन घोषित किया गया है और 11 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के लिए चयनित किया गया है। विकसित भारत युवा नेता संवाद की उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय चौम्पियनशिप की सूची में क्रमशः 18 और 19 नंबर पर जिले के दो होनहार शामिल हैं। इसमें कलश द्विवेदी पुत्री रंगनाध द्विवेदी गोविंदपुर गणेशपुर अकबरपुर और सोम पांडेय पुत्र सुबेश पांडेय निवासी खेमापुर शामिल है। इनकी सफलता पर परिजनों में खुशी का माहौल है।

पीएम आवास योजना में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राज प्रकाश निर्वाचित

संवाददाता—गोरखपुर। राप्तीनगर विस्तार में निर्मित प्रधानमंत्री आवासीय योजना के रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर सोमवार को राज प्रकाश चौहान को निर्वाचित घोषित किया गया। सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को गोरखपुर विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता सहायक निर्वाचन अधिकारी राजबहादुर सिंह ने निर्वाचन प्रमाणपत्र सौंपा। जीडीए द्वारा राप्तीनगर विस्तार में निर्मित प्रधानमंत्री आवासी योजना के लिए आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के लिए मतदान हुआ। मतदान के बाद मतगणना हुई जिसके बाद निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की गई। राज प्रकाश चौहान अध्यक्ष, शिवधीश कुमार मिश्रा उपाध्यक्ष, अर्जुन वर्मा सचिव, प्रतिमा श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, प्रेम पाती विश्वकर्मा प्रबंधक निर्वाचित घोषित हुई। इस कड़ी में सरिता मिश्रा सदस्य (ब्लॉक स 01 से 08 तक), पूजा सिंह सदस्य (ब्लॉक सं 09 से 16 तक) पद पर निर्वाचित घोषित हुई। इसके अतिरिक्त अमन कुशवाहा सदस्य (ब्लॉक सं 17 से 24 तक) और मिन्नी रस्तोगी (ब्लॉक सं 25 से 32 तक) पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

11वीं की छात्रा का शव मिलने से सनसनी, चार दिन से लापता थी, बंद कमरे में फंदे से लटकती मिली लाश

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के धर्मसिंहवा थाना के हकीमराई गांव में मंगलवार को सुबह के समय ताला बंद कमरे में एक छात्रा का शव फंदे से लटकता हुआ दिखा। खाद लेने के लिए पहुंचे भाई ने यह दृश्य देखकर शोर मचाया। इस पर आसपास के लोग पहुंचे। सूचना मिलने पर मुकामी थाने की पुलिस के अलावा सीओ ने घटनास्थल का जायजा लिया। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। स्वजन व अन्य लोगों से पूछताछ करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में लगी हुई है। धर्मसिंहवा थाना के हकीमराई गांव निवासी 17 वर्षीय मरियम पुत्री सेराज खान बीते शुक्रवार से घर से लापता थी। सोमवार को उसकी मां शबिरुन निशा ने मुकामी थाने पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज करवाया था। मंगलवार को सुबह करीब साढ़े सात बजे इनका बेटा सुफियान खाद लेने के लिए बंद कमरे का ताला खोला। इस दौरान उसने लापता बहन मरियम का शव फंदे से लटकता हुआ देखा। उसके शोर मचाने पर गांव के तमाम लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके अलावा मेंहदावल के सीओ केशवनाथ ने भी घटनास्थल की जांच की। स्वजन व आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस आत्महत्या व हत्या दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाया है।

छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हालांकि ताला बंद कमरे से शव बरामद होने को लेकर चर्चाएं तेज हैं। गांव के लोग दबी जुबान प्रेम—प्रसंग की भी चर्चा कर रहे हैं। इस मामले में थानाध्यक्ष पूनम मौर्या ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व तहरीर मिलने के बाद ही आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों ने बताया कि मरियम 11वीं की छात्रा थी। वह शुरू से पढ़ने में काफी तेज थी। इसके कारण उसके विद्यालय के शिक्षक उससे प्रभावित थे। परिजनों को भी अपनी मेधावी बेटी से काफी उम्मीदें थीं। उसके पिता मुंबई में जीविकोपार्जन करते हैं। मां घर का कामकाज देखती हैं। मरियम की मृत्यु से घर में कोहराम मचा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच पूरी हो जाने पर ही मृत्यु का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

जीजा के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के मखदूमनगर में जीजा ने साली के साथ छेड़छाड़ और मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। बताया जाता है कि एक महिला अपने बहन के घर आई थी और जीजा से बहन के साथ लड़ाई झगड़ा न करने के लिए कहा। आरोप है कि इसी बात से नाराज चंद्रकांत गुप्त ने अपनी साली के साथ छेड़छाड़ करते हुए मारपीट की। बीच बचाव करने आए रमेश गुप्त के साथ भी मारपीट करते हुए धमकी दी। थानाध्यक्ष संत कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जुबिन नौटियाल और ऋचा शर्मा होंगे गोरखपुर महोत्सव के स्टार

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव में इस बार प्लेबैक सिंगर जुबिन नौटियाल और ऋचा शर्मा अपने सुरों से चार चांद लगाएंगे, बता दें कि 10 से 12 जनवरी तक रामगढ़ताल के किनारे यह महोत्सव संपन्न होगा। मंडलायुक्त ने महोत्सव की तैयारी को लेकर आयुक्त सभागार में बैठक की। उन्होंने 5 जनवरी तक तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। बैठक के बाद वह चंपा देवी पार्क देखने भी पहुंचे। इसी क्रम में डीएम कृष्णा करुणेश भी तैयारियों को लेकर मॉनिटरिंग किए।10 जनवरी की शाम को मुख्य मंच से जुबिन नौटियाल और 12 जनवरी को ऋचा शर्मा जलवा बिखरेंगी।

गोरखपुर महोत्सव को इस बार और विहंगम बनाने के लिए प्रशासन कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। भोजपुरी नाइट को और आकर्षक बनाने के लिए भोजपुरी गायक रितेश पांडेय तथा इंडियन आइडल से प्रसिद्धि पाने वाली राधा श्रीवास्तव भोजपुरी नाइट में रंग जमाने आएंगे। महोत्सव के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। इस दिन बालीवुड नाइट से पहले भजन संध्या का आयोजन होगा। इंदोर के प्रसिद्ध भजन गायब सुधीर ब्यास मंच पर होंगे। वह मुख्यमंत्री के समक्ष भजन प्रस्तुत करेंगे। विभिन्न जिलों के व्क्व्‍ उत्पादों सहित खान—पान के स्टालों को भी जगह दी जाएगी।मंडलायुक्त ने कहा कि शिल्प मेला एवं मंडलीय सरस मेला में स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक शामिल किया जाए।निरीक्षण के दौरान डीआइजी आनन्द कुलकर्णी, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, सीईओ गीडा अनुज मलिक, जीडीए उपाध्यक्ष आनन्द वर्द्धन, सीडीओ संजय कुमार मीना आदि उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बोले- 2024 की सबसे बड़ी उपलब्धि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण

संवाददाता—अयोध्या। नववर्ष की पूर्व संध्या पर मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि 2024 समाप्ति की ओर है और इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में भगवान राम के मंदिर का निर्माण है। इससे देश के लोगों की आस्था का सम्मान किया गया है। नए वर्ष में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पूरे देशवासियों के लिए रामलला से प्रार्थना किया है कि आने वाला वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो और भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए जो काम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा है, वह सफल हो। शुक्ल ने कहा कि जितना औद्योगिक व हरित क्रांति की जरूरत है, उतना ही पर्यटन क्रांति की भी जरूरत है। पर्यटन की क्रांति के लिए धार्मिक पर्यटन का विशेष महत्व है क्योंकि हमारा देश धर्म, आस्था और सनातन को मानने वाला देश है।

बाबा साहब आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर कहा कि गृहमंत्री के पूरे भाषण को सुनिए तो आपको समझ में आ जाएगा कि बाबा साहब का कितना सम्मान भाजपा की सरकारों ने किया है और कितना अपमान पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर कांग्रेस की अन्य सरकारों ने किया है। उनकी राजनीतिक जमीन खिसक चुकी है। तीसरी बार मोदी प्रधानमंत्री बने हैं।

हरियाणा व महाराष्ट्र में वे हारे तो अब बाबा साहब आंबेडकर का नाम लेकर अपने उन पापों को धोना चाहते हैं, जो उन्होंने बाबा साहब की उपेक्षा थी। अमित शाह ने जब विस्तार से इसकी व्याख्या करना शुरू किया तो यह तिलमिला गए और गलत तरीके से प्रचार करके अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने का असफल प्रयास कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा का साथ छोड़ने की अटकलों पर कहा कि इस तरह की बातें आएंगी और जाएंगी लेकिन नीतीश अपने भाषण में कह चुके हैं कि मोदी जी हम कई बार इधर—उधर हो चुके हैं लेकिन अब आपके साथ रहेंगे।

सहयोग की भावना से कार्य करने को किया प्रेरित

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। एसएसबी 43वीं वाहिनी ने बटालियन परिसर में जीआरपी, स्वास्थ्य विभाग, आरपीएफ, कृषि विभाग, कस्टम विभाग, एएचटीयू एलआईयू एफएसडीएस आदि विभागों के साथ समवन्य बैठक की। इसमें आगामी त्योहारों व सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत अभिसूचना का त्वरित आदान—प्रदान और सभी सुरक्षा एजेंसियों में संवाद, समन्वय, परस्पर सहयोग की भावना से कार्य करने को प्रेरित किया गया। बैठक में नेपाल में राजनीतिक परिदृश्य और सीमा पर मौजूदा सुरक्षा पर भी चर्चा की गई। साथ ही पुलिस व कस्टम की ओर से नशीले पदार्थ, हथियार, विस्फोटक व अन्य प्रतिबंधित सामान, मानव ट्रैफिकिंग व वन विभाग से संबंधित अपराध, कट्टरपंथी गतिविधियोंअनुसरण के आधार पर अलग—अलग एजेंसियों को कार्य सौंपना, खुफिया जानकारी साझा करना व तस्करी के तरीकों के संबंध में अभिसूचनाओं के आदान—प्रदान,अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों का व्यपवर्तन व प्रतिबंधित दवाओं का दुरुपयोग एवं तस्करी आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

सात डिग्री सेल्सियस तापमान पर ठिठुर रहे मरीज—तीमारदार

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। ठंड बढ़ गई है। कोहरा घना हो गया। चंद कदम के बाद रोशनी में भी कुछ भी दिख नहीं दे रहा है। तापमान इकाई अंक में पहुंच गया है। इससे ठिठुरन वाली ठंड हो रही है।

मंगलवार की सुबह भी भीषण कोहरे से हुई। कोहरा बीते दिवस की अपेक्षा और घना हो गया। कोहरे का प्रकोप सुबह 10 बजे तक कायम रहा। इससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। सड़क पर वाहनों को रेंगते हुए चलना पड़ा। लोगों को घरों में कैद रहना पड़ा। दोपहर से चली पछुआ हवा के चलते ठंड और बढ़ गई। इसका असर सड़कों पर दिखाई पड़ा। सड़कों पर दिन में भी काफी कम वाहन दिखाई पड़े। मौके के मौसम की इस स्थिति में लोगों को शासन प्रशासन की व्यवस्था की खामी का दंश भी झेलना पड़ रहा है।खास करके प्रसव केंद्रों और अस्पतालों में भीषण ठंड में गर्भवती महिलाओं, प्रसुताओं, मरीजों और उनके तीमारदारों की समस्याओं का कोई पुरसाहाल नहीं है। बीते सोमवार की रात में न्यूनतम तापमान दहाई से कम होकर इकाई अंक में सात डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सात डिग्री सेल्सियस तापमान में व भीषण कोहरे के बीच खुले आसमान के नीचे प्रसूताओं के परिजनों व मरीजों के तीमारदारों की रात गुजरती मिली। महात्मा ज्योतिबा फुले संयुक्त जिला चिकित्सालय के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मीरानपुर अकबरपुर में भी तीमारदार ठिठुरते मिले। इन अस्पतालों में न तो अलाव की व्यवस्था मिली और न तीमारदारों के लिए छाया की ही व्यवस्था दिखी। ऐसे में तीमारदार खुले में पेड़ों की छांव के नीचे शाल और कंबल ओढ़कर ठंड से बचने की जुगत करते दिखे।

सड़क दुर्घटना में समूह से जुड़ी युवती की मौत

संवाददाता—गोरखपुर। झंगहा थानाक्षेत्र के गोरखपुर—देवरिया फोरलेन पर पिकअप ने गहिरा के पास सुबह एक स्कूटी सवार युवती को ठोकर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से युवती को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। झंगहा क्षेत्र की राजधानी निवासी अनिल निषाद की पुत्री रंजना निषाद (26) किसी काम से मोतीराम अड्डा से चौरीचौरा जा रही थी। इस दौरान अचानक एक अनियंत्रित पिकअप ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गई। आनन—फानन में स्थानीय लोग पुलिस की मदद से अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि वह एक समूह में काम करती थी। झंगहा क्षेत्र से टक्कर मारकर भाग रहे पिकअप को चौरीचौरा पुलिस ने पकड़ लिया और झंगहा पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

बाइक, स्कूटी पर तीन सवारी, लगेगा जुर्माना— भरना पड़ेगा 25 हजार रुपये का हर्जाना

संवाददाता—गोरखपुर। बाइक और स्कूटी पर तीन या चार सवारी चलेंगे तब, आपके अभिभावकों को 25 हजार रुपये का हर्जाना भरना पड़ेगा। साथ ही अभिभावक पर भी कार्रवाई हो सकती है। बालिग होकर ही बाइक चलाएं, तब तक साइकिल से स्कूल आएं। बाइक चलाने और पीछे बैठने वालों को भी हेलमेट लगाना अनिवार्य है। आप सुरक्षित रहेंगे तभी, अभिभावक के सपनों को साकार कर पाएंगे। इसलिए यातायात नियमों का पालन करें और अन्य लोगों को भी जागरूक करें। यह जानकारी, एसपी यातायात संजय कुमार ने छात्र—छात्राओं को दी। इस दौरान उनके साथ स्कूल प्रधानाचार्य धरमवीर यादव और प्रभाकर शुक्ला मौजूद रहे। एसपी यातायात ने बताया कि जो बच्चे ऑटो से स्कूल जाते हैं, वे कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें। शहर के हर ऑटो पर एक गोला बनाकर तीन अंकों के नंबर लिखे गए हैं। जब भी बच्चे ऑटो में बैठें तो उन नंबरों को जरूर याद रखें। ऑटो में कुछ छूटने या फिर चालक के गलत व्यवहार की शिकायत करते समय तीन अंकों का नंबर बताने पर खोजने में आसानी होगी। एसपी ने छात्र—छात्राओं को बताया कि शहर में आपात स्थिति में यातायात पुलिस की तरफ से ग्रीन कॉरिडोर की भी व्यवस्था रहती है। जब भी घर में कोई गंभीर रूप से बीमार हो जाए, उसे हॉस्पिटल ले जाते समय आईटीएमएस के नंबर पर कॉल कर ग्रीन कॉरिडोर की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। इसी तरह विशेषज्ञ के रूप में मौजूद मनोज राय ने भी छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में बताया कि हर चौराहे पर इमरजेंसी बॉक्स लगाए गए हैं। कभी भी बस या ऑटो में कोई सामान छूट जाए या कोई अन्य परेशानी हो, इमरजेंसी बॉक्स पर बटन दबाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com